ACTIN

समय : २ घन्टे | पूर्णांक : ५०

प्र.१ निम्नलिखित अवतारणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :-

क) "खग-कुल कुल कुल सा बोल रहा,
किसलय का अंचल डोल रहा,
लो यह लतिका भी भरी लाई -
मधु मुकुल नवल रस गागरी ।"

अथवा

"सबसे बडा अपराध है इस समय
निहत्थे और निरपराध होना
जो अपराधी नहीं होंगे
मारे जायेंगे ।"

ख) "ऋतुओं का स्थापित होगा फिर राज्य
कहीं नहीं दीखेंगे पर्ण - कुटीर
सूझ-समन्वित श्रम का कोई चिन्ह
शेष न होगा / होगा प्राकृत दृश्य"

अथवा

"कोटि - कोटि नक्षत्र खचित आकाश,
अमित नेत्रमय मानो श्याम शरीर ....
लगे घूमने होकर परम अशंक
भूत, प्रेत; राक्षस, रजनीचर जन्तु ।"

प्र.२ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

ग) 'भूमिजा' खण्डकाव्य की कथावस्तू को सौदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'सीता' के चरित्र का चित्रण कीजिए ।

घ) निराला के 'बादल-राग' कविता का भाव - सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'काठ की हाँडी' कविता के जीवन-दर्शन पर प्रकाश डालिए ।

प्र.३ निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :-

च) मैं वहाँ हूँ कविता में अज्ञेय की स्वायत्तता ।

अथवा

छ) गौतम ऋषि का शाप ।

अथवा

त्रिजटा का आत्मीयभाव ।

प्र.४ निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

१. जयशंकर प्रसाद का जन्म कब हुआ था ?
२. 'दिनकर' का पूरा नाम क्या है ?
३ 'त्रिलोचन' का परा नाम बताइए ।